अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में पहुंचने लगे है हस्त शिल्पकला के कद्रदान, शिल्पकारों की शिल्पकला से सजे ब्रह्मसरोवर के तट

कुरूक्षेत्र (दैनिक हाक): अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2025 में ब्रह्मसरोवर के चारों ओर शिल्पकारों व दस्तकारों का बाजार सज चुका है। देश के विभिन्न हिस्सों से दस्तकार अपनी-अपनी कला के नमूने शिल्प और सरस मेले में ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर प्रदर्शित कर रहे है और हरियाणा प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे है। विभिन्न राज्यों के दस्तकारों व शिल्पकारों के इस एकीकरण से कला के कदरदान भी अपनी पसंद की कलात्मक वस्तुओं का चयन करने में पूरा समय लगा रहे हैं और महोत्सव का भरपूर फायदा लेते हुए जमकर खरीदारी कर रहे हैं। महोत्सव में विभिन्न राज्यों से आये दस्तकारों व शिल्पकारों के चेहरे भी भीड़ देखकर खुश थे, क्योंकि दस्तकारों के लिए अपनी कला को प्रदर्शित करने का महोत्सव एक बड़ा अवसर उपलब्ध करवाता है। गीता महोत्सव के सरस और शिल्प मेले में विभिन्न राज्यों से आये दस्तकार व शिल्पकार जो अपने-अपने राज्यों की कला विशेष को प्रस्तुत किए हुए है, उनमें देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के बनारस से आए दस्तकार कडुआ बूटी प्रिंटिंग वाली मशहूर बनारसी साड़िया, इसी राज्य के मनका युक्त आर्टिफिशियल आभूषण व चाइना मिट्टी से बने सेरामिक कोटरी व हैंड पेंटेड क्राकरी, पश्चिम बंगाल की विशेष टेराकोटा मिट्टी व लकड़ी से बनी दस्तकारी के सजावटी सामान, राजस्थान की वेलवेट परहैंड मेड वाटर कलर पेंटिंग, गुजराती दस्तकारों द्वारा सूती कपडे पर हाथ की छपाई वाले आकर्षक डिजाइन से तैयार बेड शीट, सोफा कवर, पर्दे, तकिया कवर इत्यादि शामिल है, को पर्यटक खुब पसंद कर रहे है। महोत्सव में इसी तरह पश्चिम बंगाल व मध्य प्रदेश के सूखे सजावटी व आकर्षक फूल, असम के दस्तकारों द्वारा बम्बू से बनाई सजावटी व घरो में प्रयोग होने वाली वस्तुएं, उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ की ब्रास मेटल की आकर्षक मूर्तियां व अन्य कलाकृतियां, पंजाब की मशहूर फुलकारी के डिजाइन वाले वस्त्र, हरियाणा की हैंड एम्ब्रॉयडरी, राजस्थान के दस्तकारों द्वारा बनाई पत्थर की आकर्षक मूर्तियां, कश्मीर के दस्तकारों को विशेष पहचान दिलाने वाली पश्मीना शाल व अन्य कश्मीरी वस्त्र तथा देवभूमि हिमाचल के दस्तकारों द्वारा बनाई गई विशेष हिमाचली टोपी व अन्य डिजाईनर हाथ की कढ़ाई वाले गर्म कपड़े पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए है और महोत्सव में आने वाले पर्यटक इनकी जमकर खरीददारी भी कर रहे है।

विशाल नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर में 404 लोगों की हुई जांच

शाहबाद मारकण्डा (दैनिक हाक): रोटरी क्लब शाहाबाद, इन्नरव्हील क्लब, श्री मार्कण्डेश्वर शिव मंदिर सभा तथा आदेश मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल मोहड़ी के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को श्री शिव मंदिर धर्मशाला में विशाल नि:शुल्क नेत्र जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आदेश मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल से वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. पुनीता गर्ग एवं उनकी टीम ने मरीजों की आंखों की जांच की तथा आवश्यक परामर्श दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि आदेश अस्पताल के एमडी डॉ. गुणतास गिल द्वारा रिबन काटकर किया गया। मंच का सफल संचालन रोटरी क्लब के सचिव रो. विक्रम गुप्ता ने किया। उन्होंने सभी अतिथियों, डॉक्टर टीम तथा स्थानीय निवासियों का स्वागत करते हुए शिविर के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डाला। रोटरी क्लब के प्रधान रो. डॉ. आरएस घुम्मन ने बताया कि रोटरी क्लब समय-2 पर समाज हित में अनेक सेवाभावी कार्यक्रम आयोजित करता है और यह नेत्र शिविर भी उसी सामाजिक जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। शिविर में 404 लोगों ने अपनी आंखों की जांच करवाई तथा 50 लोगों को आगे के परामर्श हेतु आदेश अस्पताल में भेजा गया तथा शिविर नि:शुल्क दवाइयाँ प्रदान की गईं। कार्यक्रम के अंत में क्लब द्वारा मुख्य अतिथि डॉ. गुणतास गिल, वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डॉ. पुनीता गर्ग तथा श्री शिव मंदिर सभा के प्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया तथा सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। प्रोजेक्ट चेयरमैन रो. सुरेश गोगिया तथा को-चेयरमैन अभय वधवा ने अंत में सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्लब की ओर से समाज सेवा के ऐसे कार्यक्रम आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

हरियाणा पैवेलियन बनेगा हरियाणवी व्यंजन का मुख्य केन्द्र

कुरूक्षेत्र (दैनिक हाक): 10वें अंतर्राष्ट्रीय गीता जयन्ती समारोह में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा सरकार के आर्ट एंड कल्चर तथा कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में हरियाणा पैवेलियन तैयार किया जा रहा है जहां विभिन्न प्रकार के हरियाणवी व्यंजनों का स्वाद पर्यटक चखेंगे। यह जानकारी देते हुए लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि पूरे भारत वर्ष में हरियाणा प्रदेश अपने हरियाणवी खान-पान के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है। हरियाणा के लिए देशों में देश हरियाणा, जित दूध दही का खाणा वाक्य भी बहुत प्रचलित है। इसी की सार्थकता को साबित करते हुए इस बार हरियाणा पैवेलियन में देश-विदेश एवं दूर-दराज से आने वाले पर्यटक हरियाणवी व्यंजनों का स्वाद चखेंगे। उन्होंने बताया कि हरियाणा पैवेलियन में आने वाले पर्यटक हरियाणवी रसोई के माध्यम से देसी घी का चूरमा, गुड़ का हलवा, खीर, देसी घी की जलेबी, मीठी लस्सी, नमकीन लस्सी, देसी घी की टिक्की, दही बल्ले, देसी घी के ड्राई फ्रुट लड्डू, देसी घी के गुलाब जामून, तिल्ला कुल्फी, राजमा चावल, गोल गप्पे आदि का स्वाद चखेंगे। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में हरियाणवी खान-पान एवं स्वादिष्ट व्यंजनों की विशेष पहचान है। हरियाणा पैवेलियन में सैल्फी केन्द्र बनेंगे आकर्षण का केन्द्र

युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक एवं हरियाणा पैवेलियन के इंचार्ज प्रो. विवेक चावला ने बताया कि हरियाणा पैवेलियन में इस बार दो सैल्फी केन्द्र बनाए जाएंगे। गीता जयंती समारोह में एक ओर जहां सैल्फी प्वाइंट में भगवान श्रीकृष्ण का विराट स्वरूप आने वाले दर्शकों एवं पर्यटकों का आकर्षित करेगा वहीं दूसरी ओर दूसरा सैल्फी प्वाइंट हरियाणवी लोक कला एवं संस्कृति को प्रदर्शित करेगा। हरियाणा पैवेलियन में आने वाले पर्यटक सैल्फी प्वाइंट पर जाकर सैल्फी ले सकेंगे। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि पैवेलियन में झोपड़ी, हरियाणवी संस्कृति से जुड़ी प्राचीन वस्तुओं को भी प्रदर्शित की जाएगा जोकि पैवेलियन में आने वाले पर्यटकों को हरियाणा की गौरवशाली लोक कला एवं ग्रामीण संस्कृति के दर्शन करवाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव से कुरुक्षेत्र को मिल रही है शिल्प और लोक कला संरक्षण केंद्र के रूप में पहचान

कुरूक्षेत्र (दैनिक हाक): धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र के ब्रह्मसरोवर और आसपास के क्षेत्र को देखकर ऐसा लग रहा है मानों भारतवर्ष की संस्कृति व शिल्पकला एक लघु भारत के रूप में ब्रह्मसरोवर पर उमड़ आई हो। गीता महोत्सव में अनेक राज्यों से आए कलाकार अपनी हस्तकला के माध्यम से अपनी कला का हुनर दिखा रहे हैं। शिल्पकारों की कला गीता महोत्सव को आकर्षण का केन्द्र बिन्दु बने हुए है। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के कारण ही धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र को शिल्प और लोक कला केंद्र के रूप में एक अनोखी पहचान मिल रही है। इस गीता स्थली कुरुक्षेत्र की गोद में देश की लगभग सभी राज्यों की लोक कला और संस्कृति समा गई है। इस लोक कला और संस्कृति को देखने के लिए हर वर्ष लाखों की संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक कुरुक्षेत्र पहुंच रहे है। इस वर्ष भी अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के मंच पर देश के विभिन्न राज्यों से शिल्पकार पहुंचे है और देश के विभिन्न राज्यों के लोक कलाकार अपने-अपने प्रदेश की संस्कृति की छटा बिखेर रहे थे। इस धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र को शिल्प और लोक कला केंद्र के रूप में पहचान दिलाने का सारा श्रेय केंद्र और राज्य सरकार को जाता है। मेले को लगे हुए अभी 5वां दिन ही हुआ है। लगातार दर्शकों की संख्या में इजाफा हो रहा है।

पर्यटकों को ब्रह्मसरोवर के घाटों पर उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, असम, त्रिपुरा, लद्दाख, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों के लोक नृत्यों की प्रस्तुतियां दी जा रही है। गीता महोत्सव के दौरान ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर सजी सदरियों में विभिन्न प्रदेशों के तरह-तरह के लजीज व्यंजन पर्यटकों खुब को लुभा रही है।

इन व्यंजनों में राजस्थान की कचोरी, पंजाब की लस्सी, बिहार का लिटी चोखा, कश्मीर का काहवा जैसे विभिन्न क्षेत्रों के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद पर्यटक खुश होकर चख रहे है।

इसके साथ-साथ पर्यटक विभिन्न प्रदेशों की शिल्पकला से सजे स्टॉलों पर भी जमकर खरीदारी कर रहे है और शिल्पकारों की शिल्पकला की भी जमकर प्रशंसा कर रहे है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि सरकार और प्रशासन की तरफ से कलाकारों व शिल्पकारों के लिए तमाम व्यवस्था की गई है, प्रशासन का प्रयास है कि महोत्सव में आए प्रत्येक पर्यटक, शिल्पकार, कलाकार और आमजन को तमाम सुविधाएं मिल सके।

आधुनिक युग की चकाचौंध में बीन बजाना पड़ा फीका

कुरूक्षेत्र (दैनिक हाक): हरियाणा के कुरुक्षेत्र में स्थित ब्रह्मसरोवर पर अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 2025 मनाया जा रहा है। मान्यताओं के अनुसार ब्रह्मा ने यहीं से ब्रह्माण्ड का निर्माण किया था। गीता महोत्सव की शुरूआत सन 1989 से हुई व सन 2016 से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाया जा रहा है। यह पर्व मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है। लेकिन महोत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कई दिन पहले से शुरू हो जाता है। गीता महोत्सव के इस मंच पर इन्ही कार्यक्रमों के तहत धोरों की धरती व गौरवमयी इतिहास की पहचान रखने वाले राजस्थान की लोक कला कालबेलिया का बीन-बाजा की धुन मुख्य आकर्षण का केंद्र बन रही है। कालबेलियों की लोक कला एवं कालबेलिया नृत्य को 2010 में केन्या के नैरोबी में यूनेस्को द्वारा अमृत सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किया गया। इसी कालबेलिया समाज की गुलाबो सपेरा को उनके कालबेलिया नृत्य के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 2016 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। बीन बाजा पार्टी के सपेरों की पारंपरिक पोशाक, बीन चिमटा, ढोलक, तुम्बी आदि वाद्य यंत्रों की धुन ने दर्शकों का मन मोह लिया।

इसी बीन की धुन में महोत्सव में आने वाले पर्यटक मदमस्त होकर नृत्य कर रहे है। बीन-बाजा पार्टी के सरदार ने बताया कि बीन बजाकर सपेरों के खेल दिखाना सपेरों का मुख्य पेशा था। लेकिन वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत सांपों का पकड़ना अवैध है। जिनके चलते ये अपने पारंपरिक कला के माध्यम से आजीविका नहीं कमा पा रहे है। इसलिए अपनी आजीविका के लिए शादी-विवाहों व अन्य उत्सवों पर बीन बजाकर अपना पेशा चला रहे है। लेकिन आधुनिक युग की चकाचौंध व डीजे जैसे वाद्य मशीनरी के आगे बीन बजाना भी फीका पड़ गया है। यह पारम्परिक कला लुप्त होने की कगार पर है। समाज अगर आधुनिक डीजे जैसे सिस्टम को त्यागकर शादी-विवाहों में बीन बाजा पार्टी को बुलाए तो इनकी जीविका आसान हो जाएगी।

गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
(पूर्व में पूनावाला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड विदित)

पंजीकृत कार्यालय: 6वां तल, बी बिल्डिंग, गंगा टुनो, लोहेगांव, पुणे, महाराष्ट्र 411014,
शाखा कार्यालय: 2बी, 1617, दिल्ली रोड, महाराजा पैलेस के पास, अहमद बाग, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश- 247001

ई-नीलामी बिक्री सूचना
सुरक्षित अचल संपत्ति की बिक्री
सरफैसी अधिनियम के अन्तर्गत

ई-नीलामी बिक्री सूचना सिक्योरिटाइजेशन और वित्तीय संपत्तियों के पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित अधिनियम, 2002 ('अधिनियम') के तहत सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 और 9 के साथ सार्वजनिक को और विशेष रूप से उधारकर्ता/ सह-उधारकर्ता/ बंधककर्ता(ओं)/गारंटर(रों) को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियाँ, जो **गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (पूर्व में पूनावाला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, जिसका नाम 17 नवम्बर 2023 से गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड में बदला गया है, और पहले मैग्मा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के नाम से जाना जाता था और मूल रूप से GE मनी हाउसिंग फाइनेंस पब्लिक लिमिटेड कंपनी के नाम से स्थापित था)** द्वारा बंधक रखी गई हैं, (जो कि 'सुरक्षित ऋणदाता' के रूप में अधिनियम के तहत संदर्भित किया जाता है), जिनकी कब्जा अधिकारिता सुरक्षित ऋणदाता के अधिकृत अधिकारी द्वारा अधिनियम की धारा 13(12) के तहत सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 8 और 9 के साथ प्राप्त की गई है, और अधिनियम की धारा 13(2) के तहत नोटिस के बाद, उन्हें बेचा जाएगा।

बिक्री के विवरण: सुरक्षित संपत्तियाँ 'जैसा है जहाँ है', 'जैसा है जैसा है', और 'जो कुछ है वही है' के आधार पर **08.12.2025** को ई-नीलामी के माध्यम से बेची जाएँगी। यह सार्वजनिक को सूचित किया जाता है कि बिक्री https://www.bankeauctions.com. वेबसाइट पर प्रदान किए गए ई-नीलामी प्लेटफार्म के माध्यम से की जाएगी।

बिक्री के विस्तृत शर्तों और नियमों के लिए, कृपया GHFL के/सुरक्षित ऋणदाता की वेबसाइट पर दिए गए लिंक का संदर्भ लें: www.grihumhousing.com.

क्र. सं.	प्रस्ताव संख्या ग्राहक का नाम [ए]	मांग सूचना की तिथि एवं बकाया राशि [बी]	कब्जे का प्रकार [सी]	सम्पत्ति का विवरण [डी]	आरक्षित मूल्य [ई]	ईएमडी (आरक्षित मूल्य का 10%) [एफ]	ईएमडी प्रस्तुत करने की तिथि [जी]	वृद्धि बोली [ए]	सम्पत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समय [आई]	नीलामी की तिथि और समय [जे]	ज्ञात बंधन/कोर्ट मामले यदि कोई हों [के]
1.	**ऋण संख्या: HL00540000000005027234 मोहम्मद अरशद (ऋणधारक) 2. गुलिस्ता (सह ऋणधारक)**	**सूचना तिथि: 07.06.2025 कुल बकाया: रु. 619363/-** (रुपये छह लाख उन्नीस हजार तीन सौ तिरसठ मात्र) 07.06.2025 तक भुगतान योग्य, साथ ही 15.60% वार्षिक ब्याज जो वास्तविकता तक लागू होगा।	**भौतिक**	निर्माणाधीन मकान का वह हिस्सा जिसका क्षेत्रफल 42.27 वर्ग मीटर, खसरा नं. 308 मिन है, यह मकान आबादी गंगोह मजबता बाहर हदूद प्रथम, परगना गंगोह, तहसील नकुड़, जिला सहारनपुर में स्थित है। **इसकी चौहद्दी निम्न प्रकार हैं: पूर्व: विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम:** 12 फीट चौड़ा रास्ता, **उत्तर:** खुर्शीद का प्लॉट, **दक्षिण:** शहजाद का प्लॉट	**रु. 566930/-** (रुपये पांच लाख छियासठ हजार नौ सौ तीस मात्र)	**रु. 56693/-** (रुपये छप्पन हजार छह सौ तिरानवे मात्र)	**29.11. 2025 को सायं 5 बजे से पहले**	**10,000/-**	**25.11. 2025 को (प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक)**	**08.12. 2025 को (प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक)**	**शून्य**
2.	**ऋण संख्या: HL00540100000005050374 अजीम (ऋणधारक) 2. नासिर राशीद (सह ऋणधारक) 3. रियासत खान (सह ऋणधारक)**	**सूचना तिथि: 10.05.2025 कुल बकाया: रु. 1083555/-** (रुपये दस लाख तिरासी हज़ार पाँच सौ पचपन मात्र) 10.05.2025 तक भुगतान योग्य, साथ ही 14.86% वार्षिक ब्याज जो वास्तविकता तक लागू होगा।	**भौतिक**	सम्पूर्ण भू-खण्ड संख्या 40, क्षेत्रफल 153.11 वर्ग यार्ड्स, जिसका माप निम्नानुसार है: पूर्व: 26 फीट 3 इंच, पश्चिम: 20 फीट, उत्तर: 51 फीट 6 इंच, दक्षिण: 49 फीट 6 इंच, जो कि खसरा संख्या 415 से संबंधित है, जो ग्राम मल्हीपुर, परगना, तहसील एवं जनपद सहारनपुर में स्थित है। चौहद्दी तकनीकी विवरणानुसार इस प्रकार हैं: **पूर्व:** प्लॉट संख्या 39, **पश्चिम:** श्री नसीम एवं श्री इकबाल की सम्पत्ति, **उत्तर:** प्लॉट संख्या 4, उसके बाद रास्ता, **दक्षिण:** अन्य व्यक्ति की सम्पत्ति।	**रु. 812070/-** (रुपये आठ लाख बारह हजार सत्तर मात्र)	**रु. 81207/-** (रुपये इक्कासी हजार दो सौ सात मात्र)	**29.11. 2025 को सायं 5 बजे से पहले**	**10,000/-**	**25.11. 2025 को (प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक)**	**08.12. 2025 को (प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक)**	**शून्य**

इच्छुक बोलीदाता/खरीदारों को सूचित किया जाता है कि वे सुरक्षित ऋणदाता शाखा और नीलामी संपत्तियों का दौरा करें, और अपनी जांच स्वयं करें तथा अतिरिक्त शुल्क, बकाया राशि, और किसी भी तीसरे पक्ष के हितों को स्पष्ट कर लें। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे नीलामी प्रक्रिया से पहले इन सभी पहलुओं से संतुष्ट हैं। संपत्ति से संबंधित सभी कानूनी देनदारियाँ जैसे संपत्ति कर, बिजली/पानी के बिल और अन्य बकाया राशि, यदि कोई हो, को सफल बोलीदाता द्वारा अदा किया जाएगा।

नीलामी प्रक्रिया के लिए आवश्यक पंजीकरण: इच्छुक बोलीदाता को पंजीकरण पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराना अनिवार्य है और इसके लिए वे लॉगिन आईडी और पासवर्ड एडवांस में प्राप्त करेंगे, जो ई-नीलामी में भाग लेने के लिए आवश्यक है। पंजीकरण करने के लिए बोलीदाता को नीलामी सेवा प्रदाता C1 India Pvt Ltd से संपर्क करना होगा। सेवा प्रदाता का संपर्क विवरण: पता: प्लॉट नं 68, तीसरी मंजिल, गुडगांव, हरियाणा-122003, हेल्पलाइन नंबर: 7291981124, 25, 26, ईमेल: Support@bankeauctions.com **सम्पर्क व्यक्ति: धरणी पी, ईमेल: dharani.p@c1india.com सम्पर्क नम्बर: 9948182222** । कृपया ध्यान दें कि इच्छुक बोलीदाता केवल उनसे ही ई-नीलामी पर ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। इच्छुक क्रेता/बोलीदाता को अग्रिम धनराशि जमा (Earnest Money Deposit & EMD) की राशि "GRIHUM HOUSING FINANCE LIMITED & AUCTION PROCEEDS A/C" बैंक-आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के खाते में NEFT/RTGS/DD के माध्यम से जमा करनी होगी। खाता संख्या- 09155100100028 और IFSC कोड- ICIC0000915, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, पंचशील टेक पार्क, निकट गणपति चौक, 43/44 विमान नगर - 411014, किसी भी राष्ट्रीयकृत अथवा अनुसूचित बैंक से **29.11.2025** तक जमा करनी होगी तथा अपना नाम https//www-bankeauctions.com पर पंजीकृत करना होगा और उपयोगकर्ता आईडी व पासवर्ड नि:शुल्क प्राप्त करना होगा तथा सेवा प्रदाता से ई-नीलामी का प्रशिक्षण लेना होगा। वेबसाइट पर पंजीकरण के बाद इच्छुक क्रेता/बोलीदाता को निम्नलिखित दस्तावेजों की प्रतियाँ अपलोड करनी होंगी, ई-मेल करनी होंगी तथा स्वप्रमाणित हार्ड कॉपी भेजनी होगी: 2B, 1617, दिल्ली रोड, नियर महाराजा पैलेस, अहमद बाग, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश- 247001, मोबाइल नं. +91 9567626050, ई-मेल आईडी rahul.r1@grihumhousing.com, अधिक विवरण हेतु नियम एवं शर्तों के लिए कृपया देखें: https://www.bankeauctions.com एवं www.grihumhousing.com पर जाकर ई-नीलामी में भाग लें।

यह सूचना 15 दिन का नोटिस के रूप में माना जाए, जैसा कि सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम-2002 के नियम 8(6) के तहत उधारकर्ता/ सह-उधारकर्ता/ बंधककर्ता(ओं)/गारंटर(रों) को दिया गया है।

'यदि किसी स्थिति में स्थानीय भाषा प्रकाशन और अंग्रेजी समाचार पत्र प्रकाशन के सामग्री में कोई अंतर होता है, तो अंग्रेजी समाचार पत्र भाषा में प्रकाशित 'दैनिक हाक' में प्रकाशित सामग्री को प्राधान्य दी जाएगी।'

तिथि: 21.11.2025 स्थान: सहारनपुर

हस्ता./- प्राधिकृत अधिकारी, गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड